Title Date
Page

PANTING-225

प्र० (b) कलाकार ऑगस्ते रैनोया की एक कलाकृति के बारे मे लिखिऐ। वे उसके माध्यम से क्या संदेश देना चाहते है।

उ० ऑगस्ते रेनोया एक फ्रांसीसी कलाकार थे। उन्होने 1876 मे मौलीन दे लॉ गैलेत नामक चित्रकारी की थी। इस चित्र मे युवाओ को जिंदगी का आनंद लेते हुऐ दिखाया गया है। वे लोग पिकनीक मना रहे है। नृत्य कर रहे तथा प्रतिभोज कर रहे है। रेनोया की कृति मे कोमलता, भावनात्कमता तथा लुभावनी छवि का चित्रण है।

आगस्ते जी ने अपनी कृति के माध्यम से फारसी समाज की गतिविधियाँ वातावरण तथा प्रतिबिंब प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। वे इसके माध्यम से जीवण मे आनंद के अनुभव की अभिव्यक्ति का संदेश देना चाहते है।

प्र०२ (b) देगा की कलाकृतियो की चार प्रमुख विशेषताओ को लिखिऐ।

उ० एडगर देगा एक फ्रांसीसी कलाकार थे। 1834 मे बनाई गई नृत्य कक्षा नामक चित्र इनकी प्रमुख उपलब्धि थी। इनकी कलाकृतियो की चार विशेषताऐ निम्नलिखित है।

(1) देगा जी ने अपनी चित्रकारी मे पेस्टल रंगो को प्राथमिकता दी थी।

(2) देगा जी कि मुख्य रूची मानवीय उपस्थिति मे थी। उन्होने कभी भी प्रकृति से प्रेरणा नही ली थी।

(3) देगा जी ने अपनी कलाकृति मे नृत्यांगनाओ की लयात्मक गति दिखाने के लिऐ चित्रकारी के अतिरिक्त मूर्तियाँ भी बनाई।

(4) इनके कुछ कलाकृतियो मे सूर्य के प्रकाश के स्थान पर अप्राकृतिक प्रकाश का उपयोग भी किया गया है।

प्र०3 (a) कोलम पेंटिंग मे क्या मोटिफ का उपयोग किया जाता है। चित्रकला को बनाने की विधि समझाइऐ।

CLASSTIME

Title _______________ Date _____
Page _____

उ० कोलम पेंटिंग मे मछली, पक्षियाँ और अन्य जानवरो का रूपांकन किया जाता है। जो मनुष्यो और जानवरो की एकता को दर्शाते है। इसमे सूर्य, चन्द्रमाँ तथा अन्य राशि चिन्हो का प्रयोग भी किया जाता है। कोलम को भाग्य तथा समृद्धि का प्रतीक माना जाता है।

* कॉलम पेंटिंग बनाने की विधि निम्न प्रकार से है :-
कॉलम को बनाने के लिऐ मोटे चावल को पीस कर उसके पाउडर को अंगूठे तथा आगे की उँगलियो के बीच पकड़कर रखते है। और हाथ घुमाते है। पाउडर को फर्श पर गिरने दिया जाता है। फर्श पर बनी आकृति पूर्व निर्धारित होती है। चावल को गिराने से यह आकृति का प्रतिरूप ले लेती है।

प्र०4 (a) भित्ति चित्र क्या है? फ्रेस्को बुनो तकनीक मे हिन्दी भवन की दीवार पर चित्रित भित्ति चित्र की व्याख्या कीजिऐ !

उ० भित्ति चित्र का शाब्दिक अर्थ होता है - दीवार पर बनाया गया चित्र चित्रकारी के इस प्रकार मे पृष्ठ के रूप मे दीवारो का प्रयोग किया जाता है। दि मैडीवल सैन्ट्स नामक भित्तिचित्र विनोद बिहारी मुखर्जी जी द्वारा हिन्दी भवन के दीवारो पर बनाई गई थी। इसमे फ्रेस्को बुनो तकनीक प्रयोग किया गया था। यह दीवार पर बनाऐ जाने वाली भित्तिचित्र की एक पद्दति है। इसमे रंगो को पिगमैन्ट्स पानी मे मिलाया जाता है। इस पद्दति मे दीवार का एक अंश रंग होता है।

* फ्रेस्को बुनो तकनीक मे हिन्दी भवन की दीवार पर चित्रित भित्ति चित्र की व्याख्या निम्न प्रकार से है।

(1) इस चित्र मे भारत के विभिन्न धर्मो के संतो को दर्शाया गया है।

(2) चित्र का समायोजन दीवार के आकार अनुसार इस भित्तिचित्र को बनाया गया है। लंबी होती आकृतियाँ एक बहती नदी की गति की तरह लय और ताल मे दिख रही है।

(3) इन मानवीय विशेषताओ वाली आकृतियो को देखकर गोथिक चर्च की दीवारो पर बनी हुई मूर्तिकला की याद आती है।

(4) चित्र मे लंबी आकृतियो की उदग्रता को प्रभावी तरीके से दिखाया गया है। छोटी आकृतियो को समतल स्तर पर दिखाकर इन आकृतियो से संतुलन स्थापित किया गया है।

CLASSTIME

Title ________ Date ________
Page ________

(5) आकृतियो की लम्बाई उनकी आध्यात्मिकता की महानता की द्योतक है। इसी प्रकार छोटी आकृतियाँ दैनिक क्रियाकला को प्रस्तुत करती है।

(6) चित्र मे रेखाऐ प्रभावशाली प्रतीत होती है। तथा रंगो का सीमीत प्रयोग किया गया है।

उपरोक्त विवरण हिन्दी भवन की दीवारो पर बनाई गई भिति चित्र का वर्णन करते है।

प्र०5 (b) समकालीन भारतीय कला के विकास मे योगदान करने वाले किन्ही चार कलाकारो के बारे मे लिखे।

उ० मुगल साम्राज्य के पतन तथा प्राचीन एवं मध्य युगीन कला की समाप्ति के बाद समकालीन भारतीय कला प्रारंभ हुई समकालीन भारतीय कला मे योगदान देने वाले चार कलाकार निम्नलिखित है।

(1) के. सी. एस पनीकर

(i) जीवण → पनीकर जी का जन्म 1911 मे हुआ था। वे दक्षिण भारत मे समकालीन कला आंदोलन के प्रणेता के रूप मे जाने जाते है। वे गुरु डी.पी राय चौधरी जी के शिष्य थे। उन्होने चेन्नई के पास चोला- मण्डलम नामक कला-ग्राम की स्थापना की थी।

(ii) प्रमुख कलाकृति → 'शब्द और प्रतीक' यह एक चित्र श्रृंखला है।

(2) बिनोद बिहारी मुखर्जी

(i) जीवण → इनका जन्म सन 1904 मे हुआ था ये बंगाल स्कूल के नंदलाल बोस के शिष्य थे। इनकी आँखे बचपन से ही कमजोर थी। जीवन मे वह विभिन्न माध्यमो के साथ प्रयोग करते रहे और जीवण की अंतिम पलो मे अंधे होने के बाद भी उन्होने भिति चित्र का निर्माण किया।

(ii) प्रमुख कलाकृति → "दि मैडीवल सेन्टस" यह एक भितिचित्र है।

(3) एफ एन सौजा

(i) जीवण → इनका जन्म 1961 मे गोवा मे हुआ था। अपने शिक्षा काल मे इन्हे कई बार स्कूल और कॉलेज से निष्काषित किया गया। 1947 मे उन्होने प्रगतिशील कालाकारो के ग्रुप की स्थापना की थी। बाद मे वे लंदन चले गये उन्होने अपने चित्रो के माध्याम से हमेशा समाज की कुरीतियो का विरोध किया।

(ii) प्रमुख कलाकृति → 'लेंडस्केप इन रेड" यह एक प्रयोगात्मक शहरी चित्र है।

CLASSTIME

Title ____ Date ____
____ Page ____

(5) कृष्णा रेड्डी

(i) जीवन → इनका जन्म सन् 1962 मे हुआ था। यह समकालीन कला के सबसे प्रसिद्ध गुरु माने जाते है। वे कलाभवन, विश्व भारती तथा शान्तिनिकेतन विद्यार्थी रहे थे। उत्कीर्ण आकृति, इनका प्रमुख माध्यम था।

(ii) प्रमुख कलाकृति → व्हर्लफुल उनकी प्रमुख कलाकृति है। इसे उत्कीर्ण पद्धति से बनाया गया है।

प्रश्न (b) एक मेज, पेंसिल, फूल दान, पेंसिल बॉक्स तथा पुस्तक का रेखा चित्र बनाइये ये आपके घर मे उपलब्ध है। एक 1/2 इम्पेरियल आकार का कागज ले तथा इन चित्रो का ऐसा संयोजन दर्शाये जिससे इनके आपस मे संयोजन मे संतुलन सामन्जस्य तथा लयात्मकता के तत्व अवश्य दिखे।

उ० उपरोक्त विवरण के आधार पर जो हमने रेखाचित्र तैयार किया जिसके रचना के चरण निम्नलिखित है।

(1) सर्वप्रथम हम एक पेंसिल की सहायता से एक गोल मेज बनाते है।

(2) तत्पश्चात उसमे हम फूलदान बनाते है जिसमे फूल होते है।

(3) इसके बाद हम पेंसिल के साथ एक किताब और पेंसिल बॉक्स बनाते है।

* प्रस्तुत रेखाचित्र मे उपस्थित सभी वस्तुऐ हमारे घर पर उपलब्ध है। हम सभी चित्र को ऐसी रचना मे व्यवस्थित करते है जो एक रिश्ते को व्यक्त करते है। रेखा चित्र मे उपस्थित वस्तुओ के बीच संयोजन मे संतुलन सामन्जस्य तथा लयात्मकता के तत्वो का आकलन किया जा सकता है।

CLASSTIME